

न्यूज गैलरी

पढ़ाई छोड़ सड़क पर उतरे विद्यार्थी : शिक्षिका पर लगाए मारपीट–धमकी के आरोप



भोपाल/नवप्रदेश। मिसरोद के सरकारी स्कूल में शिक्षिका पर मारपीट, फेल करने की धमकी और आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप लगाते हुए छात्र-छात्राएं तीन घंटे सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। छात्रों के विरोध के बीच शिक्षा विभाग ने बबिता कुशवाहा को स्कूल से हटाकर दूसरी शिक्षिका को शैथणिक जिम्मेदारी सौंप दी, लेकिन विद्यार्थी निलंबन की मांग पर अड़े हैं। मिसरोद के शासकीय नवीन हयार सेकंडरी स्कूल में सोमवार को छात्र-छात्राओं का गुस्सा सड़क पर नजर आया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने शिक्षिका बबिता कुशवाहा के खिलाफ सुबह 9 बजे से स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि उनसे पढ़ाई के बजाय सफाई और दूसरे काम कराए जाते हैं, विरोध करने पर फेल करने की धमकी दी जाती है और मारपीट भी की जाती है। विद्यार्थियों ने शिक्षिका पर छात्राओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप भी लगाए। उनका कहना था कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा। छात्र-छात्राएँ शिक्षिका के निलंबन की मांग पर अड़े रहे। विद्यार्थियों ने प्राचार्य को सामूहिक शिकायत देकर आरोप लगाया कि परीक्षा और अन्य गतिविधियों के दौरान उनसे बेच जमाने, सफाई कराने और टोल नंबर लिखने जैसे काम कराए जाते हैं। लैब की सफाई करने का भी दावा किया गया। छात्रों का कहना है कि काम करने से मना करने पर उन्हें फेल करने की धमकी दी जाती है। उनका कहना है कि वे स्कूल में पढ़ने आते हैं, कर्मचारियों की तरह काम करने नहीं। विद्यार्थियों ने रविवार को भी परीक्षा के लिए बुलाए जाने का दावा किया है। छात्रों ने शिकायत में दावा किया कि उनके सामने सीनियर छात्रों की लोहे के पाइप से पिटाई की गई। प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्राओं ने भी हाथ-पैर में पाइप से मारने का आरोप लगाया। एक छात्र ने दावा किया कि सवात का जवाब देते से देने पर उसके साथ भी मारपीट की गई। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट के नाम पर विज्ञान विषय लेने वाले छात्रों से हर महीने 2500 रुपये मांगने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि पिछे के दमाव में कुछ विद्यार्थियों ने विज्ञान विषय तक छोड़ दिया। छात्रों ने शिक्षिका के साथ बातचीत का एक ऑडियो भी सौंपा है। उनके नैतिक इस्तेमाल परीक्षा परिणाम, पास-फेल और पैसे खर्च होने जैसी बातें हैं। हालांकि ऑडियो की आवाज और बातचीत के संदर्भ की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। छात्रों के प्रदर्शन के दौरान गुस्सा भी सामने आया। विद्यार्थियों ने स्कूल के वॉटररूम का गेट और सीसीटीवी तोड़ दिया। जिला शिक्षा अधिकारी और मिसरोद थाने के प्रभारी ने छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे शिक्षिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। छात्रों का कहना था कि मामला 12वीं और बोर्ड परीक्षा की तैयारी से जुड़ा है, इसलिए वे शिक्षिका के साथ पढ़ाई जारी नहीं रखना चाहते। छात्रों के लगातार प्रदर्शन के बीच शिक्षा विभाग ने बबिता कुशवाहा को मिसरोद स्कूल से हटा दिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने उन्हें राज्य स्तरीय सेवा संकल्प अभियान की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, शासकीय हयार सेकंडरी स्कूल बरखेड़ा में पदस्थ रही रेणुका श्रीवास्तव को मिसरोद स्कूल में शैथणिक कार्य की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों आदेश 5 अक्टूबर से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। हालांकि शिक्षिका को स्कूल से हटाए जाने के बावजूद छात्र निलंबन की मांग पर कायम हैं। बबिता कुशवाहा ने विद्यार्थियों के आरोपों को गलत बताया। उनका कहना है कि वे लंबे समय से पढ़ा रही हैं और भौतिक विज्ञान में बेहतर परिणाम के लिए विद्यार्थियों पर सख्ती करती हैं। उन्होंने पैसे लेकर पाठ कराने या फेल करने या फेल करने से सफाई करने और 2500 रुपये मांगने के आरोपों को नकारा। उन्होंने कहा कि प्रायोगिक कार्य के दौरान उपकरण व्यवस्थित करना और साफ करना पढ़ाई की प्रक्रिया का हिस्सा है। कुशवाहा ने शिकायत में कुछ विद्यार्थियों के हस्ताक्षर फर्मा होने का दावा भी किया है। उन्होंने बताया कि प्राचार्य का नोटिस मिला है और वे उसका जवाब देंगी। फिलहाल विभाग ने छात्रों के प्रदर्शन के बीच शिक्षिका को स्कूल से हटाकर दूसरी शिक्षिका को शैथणिक जिम्मेदारी सौंप दी है। छात्रों की ओर से लगाए गए मारपीट, धमकी, पैसे मांगने और आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

मध्यप्रदेश में होंगे 10 एयरपोर्ट, सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में स्थायी हेलीपैड

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में विमानन सेवाओं और अग्रोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नागरिकों को बेहतर हवाई कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के साथ ही आपातकालीन सेवाओं, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने के लिए एयरपोर्ट, एयरस्टिप और हेलीपैड के नेटवर्क का नागरिक विमानन नीति-2025 के अंतर्गत विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में एयरपोर्ट बढ़कर 8 हो गए हैं और शीघ्र ही इनकी संख्या 10 हो जाएगी। इसी तरह से प्रदेश से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या भी निरंतर बढ़ रही है। पहले दुबई और अब अबूधाबी के साथ इंदौर का हवाई संपर्क स्थापित हुआ है। सितम्बर-2028 के लिये भी दताना-मताना एयरपोर्ट का विस्तार हो रहा है। नए एयरपोर्ट के विकास, सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्थायी हेलीपैड का निर्माण और पीएमश्री एयर एम्बुलेंस एवं पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा से प्रदेश में हवाई सुविधाएं अधिक सुगम और व्यापक हो रही हैं। मध्यप्रदेश में वर्तमान में 8 एयरपोर्ट, 20 से अधिक एयरस्टिप और 220 हेलीपैड हैं। वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 5 प्रमुख एयरपोर्ट इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और खजुराहो संचालित थे। वर्ष 2024-25 में टीना, दतिया और सतना को जोड़कर एयरपोर्ट की संख्या 8 हो गई है। उज्जैन और शिवपुरी में एयरपोर्ट के विकास का कार्य प्रगति पर है। प्रदेश में हवाई सुविधाओं को और व्यापक बनाने के लिए हर 150 किलोमीटर पर एयरपोर्ट, हर 75 किलोमीटर पर एयरस्टिप और हर 45 किलोमीटर पर हेलीपैड विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में स्थायी हेलीपैड विकसित करने की योजना है। प्रदेश में पांच नए एयरपोर्ट के विकास की स्वीकृति केंद्र सरकार के स्तर पर प्रक्रियाधीन है। इनमें सिंगरौली को प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही उडान योजना अंतर्गत प्रदेश की 10 एयरस्टिप को एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। इनमें सिंगरौली, सागर, नीमच, छिंदवाड़ा, मंडला, खंडवा, रतलाम, मंदसौर, उमरिया और शहडोल शामिल हैं। प्रदेश में विमानन और वायु सेवाओं का विकास हो रहा है तथा राज्य शासन को नया शासकीय विमान मिल रहा है। देश में कई राज्यों जैसे- उत्तर प्रदेश, मझराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, छत्तीसगढ़ इत्यादि में स्वयं के विमान एवं हेलीकॉप्टर हैं। भौगोलिक दृष्टि से बड़ा राज्य होने के कारण मध्यप्रदेश में त्वरित पहुँच एवं आकस्मिक परिस्थितियों में विमान एवं हेलीकॉप्टर की तुलनात्मक रूप से अधिक आवश्यकता रहती है।

राजधानी

किसान हित में सहकारी ऋण व्यवस्था को बनाया जा रहा है सरल एवं किसान हितैषी : सीएम यादव

नीमच मंडी में 2023–24 की 53.46 लाख क्विंटल आवक बढ़कर 2025–26 में करीब 72 लाख क्विंटल हुई

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से किया सीधा संवाद

कृषि, पशुपालन एवं मत्स्यपालन को बताया आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम

भो॰पाल/नवप्रदेश। किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत बलराम कृषि महोत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम सोमवार को कृषि उपज मंडी, चिंगरा, नीमच में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए नीमच के किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने किसानों से कृषि गतिविधियों, शासन की किसान हितैषी योजनाओं से मिल रहे लाभ, कृषि क्षेत्र में नवाचार तथा किसानों की आवश्यकताओं के संबंध में बात की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नीमच जिला उन्नत कृषि, आधुनिक खेती एवं कृषि व्यापार के क्षेत्र में प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। जिले में अश्वगंधा, इसबगोल, तुलसी, सतावरी, चिरायता, आंवला, बहेरा और नीम सहित विभिन्न औषधीय फसलों का उत्पादन होता है। चिया सीड, लहसुन, मेथी एवं धनिया सहित अनेक कृषि उत्पादों के उत्पादन एवं व्यापार में भी नीमच की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ एवं आधारशिला

नीमच मंडी की बढ़ती आवक और आय का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच कृषि उपज मंडी की कृषि व्यापार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि नीमच मंडी ए-ग्रेड मंडी है और औषधीय फसलों के व्यापार के लिए एशिया के प्रमुख केंद्रों में अपनी पहचान रखती है। वर्ष 2023-24 में मंडी में 53.46 लाख क्विंटल कृषि उपज की आवक हुई थी, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर लगभग 72 लाख क्विंटल हो गई। इसी अवधि में मंडी की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई और वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर करीब 34.5 करोड़ रुपये हो

गई। प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिले में 10 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में प्राकृतिक एवं जैविक खेती की जा रही है। प्राकृतिक खेती से भूमि की उर्वरता बनाए रखने के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित कृषि उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, फसल विविधीकरण तथा कृषि के साथ अन्य आयवर्धक गतिविधियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

सिंचाई परियोजनाओं से बढ़ेगा

कृषि क्षेत्र का दायरा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए संचालित परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि रामपुरा-मनासा सूक्ष्म वृहद सिंचाई परियोजना से 212 गांवों की 67 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि सिंचित हो सकेगी। इसी प्रकार जावद-नीमच एवं खुमान सिंह शिवाजी सिंचाई योजनाओं के पूर्ण होने से एक लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से जिले में कृषि का रकबा बढ़ेगा तथा बड़ी संख्या में किसानों को लाभ मिलेगा।

चीता परियोजना से पर्यटन और रोजगार की नई संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधीसागर अभयारण्य में चीता परियोजना के आने से नीमच जिले में पर्यटन की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र के विकसित होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा नीमच को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी।

कृषि के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्यपालन पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन एवं

शिक्षा से होगी तरक्की की राह प्रशस्त, बच्चों को नियमित रूप से भेजें स्कूल : राज्यमंत्री गौर

शासकीय माध्यमिक शाला अमरावत खुद में कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों को वितरित किए स्कूली बैग

भोपाल/नवप्रदेश। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को शासकीय माध्यमिक एकीकृत शाला, अमरावत खुद में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों को स्कूली बैग वितरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सर्वांगीण विकास और प्रगति का मूल आधार है। जो विद्यार्थी निष्ठा एवं लगन से विद्या अध्ययन करता है, वह तरक्की और सफलता के नए शिखरों को स्पर्श करता है। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय अवश्य भेजें, शिक्षित एवं गुणी बाल-पीढ़ी ही अपने परिवार के जीवन स्तर को उन्नत बनाने के साथ समाज और राष्ट्र के नवनिर्माण में महती भूमिका निभाती है।

राज्यमंत्री गौर ने उपस्थित विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद स्थापित कर उन्हें लगनपूर्वक अध्ययन करने तथा जीवन में उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुरुजनों का सम्मान करने वाले तथा अनुशासित रहकर शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने से



कोई शक्ति नहीं रोक सकती। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विद्यालय परिसर में मध्याह्न भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर विद्यालय के संचालन की समस्याबद्धता, पठन-पाठन का स्तर और भोजन की गुणवत्ता एवं पर्याप्तता के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने शिक्षक वर्ग से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षकों का पावन कर्तव्य विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर उनके जीवन को सही दिशा प्रदान करना है। यदि शिक्षक अपने शिष्यों को सुसंस्कृत और योग्य नागरिक बनाने में सफल होते हैं, तभी उनकी शिक्षण साधना वास्तविक अर्थों में सार्थक सिद्ध होती है। उन्होंने बल देकर कहा कि आने वाली पीढ़ी को शिक्षित, संस्कारवान और उत्तरदायी नागरिक बनाने के लिए परिवार, शिक्षक और समाज को समन्वित प्रयास करने होंगे, जिससे सशक्त समाज और विकसित भारत की सुदृढ़ नींव बाल-मन में रोपे गए एवं सुसंस्कारों पर ही आधारित है।

मुख्यमंत्री युवा सम्मेलन में दिखेगा मध्यप्रदेश का नवाचार और प्रौद्योगिकी सामर्थ्य

अकादमिक संस्थाओं, उद्योग और डेवलपर समुदाय के सहयोग से लगभगे छह तकनीकी स्टॉल

युवाओं को उभरती तकनीकों और रोजगार–उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने की पहल

भो॰पाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री युवा सम्मेलन 6 अक्टूबर को लाल परेड ग्राउंड, भोपाल में आयोजित होगा।

भोपाल में लगी ऐसी प्रदर्शनी, जहां अपराध की सूचना से कोर्ट के फैसले तक की पूरी कहानी लाइव दिखाई जा रही

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के भेल दशहरा मैदान में नई न्याय संहिताओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है। यहां अपराध की सूचना से लेकर पुलिस जांच, फॉरेंसिक और कोर्ट के अंतिम फैसले तक की प्रक्रिया 14 जोन में समझाई जा रही है। भारतीय न्याय व्यवस्था में हुए बदलावों और नई न्याय संहिताओं को आम लोगों तक आसान तरीके से पहुंचाने के लिए बीएचईल दशहरा मैदान में प्रदर्शनी लगाई गई है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 3 अक्टूबर को



इसका शुभारंभ किया था। पांच दिवसीय यह प्रदर्शनी 7 अक्टूबर तक चलेगी। प्रदर्शनी में अपराध की सूचना मिलने से लेकर पुलिस कार्रवाई, घटनास्थल की जांच, फॉरेंसिक परीक्षण, अभियोजन

और न्यायालय के अंतिम निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया को 14 अलग-अलग जोन में प्रदर्शित किया गया है। इसके लिए मॉडल, डिजिटल तकनीक, वीडियो, चार्ट और लाइव प्रदर्शन का इस्तेमाल

किया गया है। प्रदर्शनी में क्राइम सीन और फॉरेंसिक जांच के जरिए साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया समझाई जा रही है। डायल-112 और स्टेट कमांड सेंटर के माध्यम से आपात स्थिति में पुलिस की त्वरित कार्रवाई को भी प्रदर्शित किया गया है। पुलिस थाना और न्यायालय मॉडल में ई-एफआईआर, जीरो एफआईआर सहित विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी जा रही है। फॉरेंसिक साइंस लैब के जोन में झीएनए, फिंगरप्रिंट, बैलैस्टिक और डिजिटल फॉरेंसिक जांच के बारे में बताया जा रहा है।

कूनो में गूंजी चीतों की नई पीढ़ी की किलकारी

भारतीय धरा पर जन्मे शावकों की पीढ़ी ते रही अंगझड़ियां

चीतों की संख्या अब बढ़कर हुई 60

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रोजेक्ट चीते से जुड़ी टीम को दी बधाई

भो॰पाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता प्रोजेक्ट अंतर्गत 5 अक्टूबर सोमवार को एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई। भारतीय धरती पर जन्मी

32 माह की मादा चीता केजेपी-21 ने 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की संख्या बढ़कर अब 60 हो गई है, इसमें से 41 भारतीय धरती पर जन्में चीते शामिल है। भारत में जन्मी मादा चीता केजेपी-12 और मुखी के बाद केजेपी-21 तीसरी मादा चीता है, जिसने भारतीय धरती पर शावकों को जन्म दिया। यह उपलब्धि देश में चीता संरक्षण एवं पुनर्स्थापना के प्रयासों की सफलता और चीतों की नई पीढ़ी की विस्तार की दिशा में मील का पत्थर है। मुख्यमंत्री डॉ.



मोहन यादव ने इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रोजेक्ट चीता से जुड़े वन्य अधिकारियों, पशु

चिकित्सकों, मैदानी अमले, प्रबंधन टीम तथा सभी सहयोगियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने कहा कि उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों से भारत में चीता पुनर्स्थापना की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है। नन्हें मेहमानों के आगमन से कूनो की धरती पर एक बार फिर वन्य जीव संरक्षण की नई उम्मीद ने जन्म लिया है।

भारत में बोत्सवाना वंशावली की हुई शुरूआत

केजेपी-21 के पाँच शावकों का जन्म एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी लेकर आया है। इनके पिता बोत्सवाना के लाया गया नर चीता

है। इन शावकों के जन्म के साथ भारत में बोत्सवाना वंशावली की शुरूआत हुई है। इससे देश में बढ़ती चीता आबादी में एक नई अनुवांशिक वंशावली का समावेश हुआ है। भारतीय धरती पर चीतों की एक और पीढ़ी का जन्म प्रोजेक्ट चीता की उल्लेखनीय यात्रा में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। यह उपलब्धि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता संरक्षण के लिये निरंतर किये जा रहे वैज्ञानिक प्रबंधन, निगरानी और संरक्षण प्रयासों को भी रेखांकित करती है।

आग में राख हुई जिंदगी की जमा-पूंजी, सामाजिक बंधुओं ने बढ़ाए मदद के हाथ

बालाघाट। आग की लपटों ने महकेंपार के कोठेकर परिवार से उनका आशियाना, दुकान और वर्षों की मेहनत से जुटाया गृहस्थी का सामान छीन लिया। देखते ही देखते परिवार की जमा-पूंजी राख में तब्दील हो गई। इस मुश्किल घड़ी में जब परिवार को सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत थी, तब समाज के लोग उनके साथ खड़े हुए। तेली समाज के सामाजिक बंधुओं ने महकेंपार पहुंचकर पीड़ित परिवार का दुख बांटा और स्वेच्छ से आर्थिक सहयोग कर उन्हें सबल देने का प्रयास किया। मदद की यह राशि परिवार के 50-60 लाख रुपए के नुकसान की भरपाई तो नहीं कर सकती, लेकिन संकट की घड़ी में मिला यह सहयोग उनके लिए हम अकेले नहीं हैं का भरोसा जहर है। सामाजिक बंधुओं ने परिवार को आगे भी यथासंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत महकेंपार में 15 सितंबर की सुबह हुई आगजनी ने शिवराम राजाराम कोठेकर, ईशु कुमार राजाराम कोठेकर और कैलाश राजाराम कोठेकर के परिवारों को गहरा सदमा दिया। आग इतनी भीषण थी कि तीनों भाइयों के मकान, दुकान और गृहस्थी का पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने गांवों में पहुंचकर स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन कार्य का लिया जायजा

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा गुरूवार को रायसेन जिले में ग्राम पंचायत सिरसीदा, सांचेत, चिकलीदे, अमोदा सहित अन्य ग्राम पंचायतों में पहुंचकर सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के निष्पादन एवं पंजीयन कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य की स्थिति की जानकारी लेते हुए पंजीयन प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री कमल



सोलंकी भी साथ रहे।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्राम पंचायत कार्यालयों में संबंधित अभिलेखों एवं दस्तावेजों का अवलोकन किया तथा स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के निष्पादन और पंजीयन से संबंधित प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्य में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सभी प्रकरणों का कार्यवाही पूर्ण कराएं।कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए स्वामित्व अधिकार अभिलेख से संबंधित उनकी जानकारी एवं अनुभव भी जाने। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख ग्रामीण परिवारों के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसके माध्यम से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के अधिकार संबंधी दस्तावेज प्राप्त होते हैं और संपत्ति से जुड़े मामलों में उन्हें सुविधा मिलती है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभिलेखों के निष्पादन एवं पंजीयन कार्य में दस्तावेजों की जांच, प्रक्रिया की पूर्णता और अभिलेखों के सुरक्षित संधारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही ग्रामीणों को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान उन्होंने एसडीएम तथा अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वामित्व अधिकार अभिलेखों से संबंधित कार्य की निरंतर मॉनीटरिंग करते हुए प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर विधायक डॉ चौधरी के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर रायसेन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग कार्यालय परिसर में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शतायु आयु पूर्ण कर चुके वृद्धजनों का शाल-श्रीफल तथा एक-एक हजार रू की राशि भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही अन्य उपस्थित वृद्धजनों का भी शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद वृद्धजनों को कुत्रिम सहायक उपकरण वितरित कर उन्हें सुाम एवं सम्मानजनक जीवन के लिए सहयोग प्रदान किया गया।इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वृद्धजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, ज्ञान और जीवन मूल्यों से युवा पीढ़ी को निरंतर मार्गदर्शन मिलता है। परिवार और समाज में वृद्धजनों का सम्मान करना हमारी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है।

रीवा-मऊगंज में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद, बोले- विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं

मऊगंज/रीवा/भोपाल।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने सोमवार को रीवा और मऊगंज जिले के प्रवास के दौरान विभिन्न सेवा कार्यों में सहभागिता की। उन्होंने जिला एवं संगठनात्मक बैठकों को संबोधित करने के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा की विचारधारा और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मऊगंज में आयोजित 'आंगन मिलन



सेवा' कार्यक्रम में खंडेलवाल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की नींव तैयार करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए उनके प्रयास आने वाली पीढ़ी के निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर

हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गरीब, किसान, महिला और युवा सहित समाज के सभी वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास,

आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, जनधन और फसल बीमा जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डीबीटी के माध्यम से सरकारी योजनाओं की राशि सीधे पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंच रही है। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिली है।

किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस शासनकाल का उल्लेख करते हुए किसानों से जुड़े आंदोलनों और समस्याओं को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने वर्ष 1998 के मुलाताई किसान गोलीकांड का

जिक्र करते हुए कहा कि उस समय किसानों की मांगों को लेकर आंदोलन हुआ था और पुलिस कार्रवाई में किसानों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार फसल बीमा सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान से सुरक्षा देने का प्रयास कर रही है। उन्होंने किसानों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने पर भी जोर दिया।

7 अक्टूबर के कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से सहभागिता का आह्वान

हेमंत खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से 7 अक्टूबर को मऊगंज, रीवा सहित अन्य जिलों में होने वाले कार्यक्रमों की तैारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा

वृद्धजनों की देखरेख हम सबका सामाजिक एवं नैतिक दायित्व: कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजनदिवस पर वृद्धाश्रममें आयोजित हुआ सम्मान समारोह, बुजुर्गों का किया सम्मान

हरदा । अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर स्थानीय वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन थे। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री अंशुल गोयल तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भागंव व उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री कमलेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन वृद्धजन अनुभव की किताब हैं। उनके जीवन ने कहा कि वृद्धजनों की उचित देखरेख हम सभी का सामाजिक एवं नैतिक दायित्व है। वृद्धाश्रम में निवासरत सभी बुजुर्गों की समुचित देखभाल सुनिश्चित की जा रही है। उनकी आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाता है तथा यह प्रयास है कि यहां निवासरत किसी भी बुजुर्ग को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा और सम्मान के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत ने कहा कि

अतैध क्लीनिकों के विरुद्ध स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

विदिशा । विदिशा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पीपलखेड़ा कलां में स्वास्थ्य विभाग द्वारा गैर-मान्यता प्राप्त एवं अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन क्लिनिक सील और दो क्लिनिक को नोटिस जारी किए गए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार गठित जांच दल ने ग्राम में संचालित क्लीनिकों का निरीक्षण कर आवश्यक दस्तावेजों एवं मान्यता संबंधी जानकारी की जांच की। जांच के दौरान सुधीर क्लीनिक, ओम क्लीनिक एवं गोविंद साहू क्लीनिक को सील करने की कार्रवाई की गई।

कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वरचुअल संबोधन से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं और आमजन को जोड़ने का प्रयास किया जाए।

उन्होंने कहा कि भाजपा केवल चुनाव और सत्ता के लिए काम करने वाला संगठन नहीं, बल्कि विचारधारा और राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत के आधार पर काम करने वाला संगठन है। कार्यकर्ताओं को बृ्ध स्तर तक पहुंचकर संगठन को मजबूत करना चाहिए।

‘पद बदलता है, कार्यकर्ता भाव नहीं’

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संगठन में दायित्व बदलते रहते हैं, लेकिन कार्यकर्ता का व्यवहार और संगठन के प्रति समर्पण बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने में वर्गों से काम कर रहे वरिष्ठ और संस्थापक कार्यकर्ताओं के योगदान को नई पीढ़ी को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पद व्यक्ति के पास सीमित समय के लिए रहता है, जबकि संगठन और विचारधारा लंबे समय तक रहती है। प्रत्येक कार्यकर्ता यदि अपने स्तर पर निरंतर प्रयास करे तो संगठन को और मजबूत किया जा सकता है।

बेटियों और महिलाओं के लिए योजनाओं का उल्लेख

हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह, लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली



आज की व्यस्त जीवनशैली में भी हमें समय निकालकर वृद्धजनों की सेवा और उनके साथ समय बिताने के लिए आगे आना चाहिए। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि किसी भी बुजुर्ग को किसी प्रकार का कष्ट न हो। नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री अंशुल गोयल ने कहा कि वृद्धजन अनुभव की किताब हैं। उनके जीवन के अनुभवों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों की बेहतर देखभाल देना चाहिए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भागंव ने कहा कि वृद्धाश्रम की आवश्यकताओं को समय-समय पर पूरा किया जाएगा। यहां निवासरत बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर 100 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले चाँद बी को शतायु सम्मान से सम्मानित किया

गया। उन्हें श्रीफल एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में वृद्धजनों के लिए चम्मच दौड़ एवं कुर्सी दौड़ जैसी मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वृद्धजनों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताओं में विजेता रहे वृद्धजनों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने वृद्धजनों से संवाद करते हुए उनके अनुभवों को सुना तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानजनक जीवन की कामना की। आयोजन में वृद्धजनों के प्रति समाज में सम्मान, अपनत्व और संवेदनशीलता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के सहयोगी के रूप में वृद्धाश्रम संचालक एवं सार्थक सेवा आश्रय समिति की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

शासकीय महाविद्यालय जावर में करियर काउंसलिंग

सीहोर । जिला रोजगार कार्यालय सीहोर द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय जावर में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को करियर एवं रोजगार के विभिन्न अवसरों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री नरेंद्र शुक्ला एवं काउंसलर श्री राकेश शर्मा उपस्थित रहे। करियर काउंसलिंग में महाविद्यालय के 46 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों को उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप करियर के विकल्पों, रोजगार के अवसरों तथा उपलब्ध संसाधनों के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य के लिए उचित करियर चयन में मार्गदर्शन प्रदान करना एवं रोजगार संबंधी अवसरों से अवगत कराना रहा।

गर्ल्स डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष के रिजल्ट पर बवाल, 1316 में से 999 छात्राओं को आई सलीमेंट्री

सागर। मध्य प्रदेश के सागर स्थित शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (गर्ल्स डिग्री) कॉलेज में सोमवार को उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब बीए प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम सामने आए। एक ही संकाय की इतनी बड़ी संख्या में छात्राओं के सलीमेंट्री आने और फेल होने से आक्रोशित छात्राओं ने कॉलेज परिसर के बाहर जमकर प्रदर्शन किया और धरने पर बैठ गईं। जानकारी के अनुसार, बीए प्रथम वर्ष की परीक्षा में कुल 1316 छात्राएं सम्मिलित हुई थीं। जब परिणाम घोषित हुआ, तो उसमें से करीब 999 छात्राओं को सलीमेंट्री (पूक परीक्षा) दी गई है, जबकि 158 छात्राएं अनुत्तीर्ण (फेल) घोषित की गई हैं। केवल 159 छात्राएं ही पूरी तरह से पास हो सकी हैं। एक साथ 80 प्रतिशत से अधिक छात्राओं का परिणाम प्रभावित होने से कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया। परिणामों की जानकारी मिलते ही आक्रोशित छात्राएं और उनके अभिभावक कॉलेज के मुख्य द्वार पर एकत्रित हो गए और कैंपस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए।

महोत्सव में कृषि एवं संबंधित विभागों के साथ आदान विक्रेताओं और कृषि यंत्र डीलरों द्वारा स्टॉल एवं प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके साथ ही किसानों के लिए कृषक संगोष्ठी और प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

कलेक्टर दिव्यांक सिंह के निर्देशन में आयोजित होने वाले कृषि महोत्सव की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुकूल जैन को अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में



सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सीईओ जैन ने अधिकारियों को सौंप गए दायित्वों की

समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सीमा में गंभीरता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

महोत्सव में किसानों को कृषि से जुड़ी तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए तकनीकी सत्र



नई दिल्ली/ए। ग्रीस की कोरोनिया झील पर क्लाइमेट चेंज, कम बारिश और बढ़ती गर्मी का असर साफ़ दिख रहा है। उत्तरी ग्रीस में मौजूद यह झील कभी देश की पांचवीं सबसे बड़ी झील थी। यहां हजारों प्रवासी और पानी में रहने वाले पक्षी आते थे। आसपास के मछुआरे और किसान भी झील पर काफ़ी हद तक निर्भर थे। पिछले करीब 10 साल में झील का तेजी से भाप बनकर उड़ रहा है। वहीं, खेती के लिए झील से पानी निकालने से भी पानी का स्तर नीचे गया है। कम बारिश से घटता गया झील का पानी... जानकारों के मुताबिक, कोरोनिया झील

देश की पांचवीं सबसे बड़ी झील कहलाने वाली झील सूखी...

मुताबिक, 2016 में झील की सतह 34.4 वर्ग किलोमीटर थी। अब यह घटकर सिर्फ़ 2.7 वर्ग किलोमीटर रह गई है। इसका मतलब है कि करीब 10 साल में झील का पानी फैला हुआ इलाका 92 फ़ीसदी से ज्यादा कम हो गया। झील का ज्यादातर हिस्सा अब सूख चुका है। वहां पानी की जगह सूखी और फटी जमीन दिखाई देती है।

कुछ जगहों पर ही गंदला पानी छोटे-छोटे तालाबों में बचा है। झील में पानी कम होने की वजह सिर्फ़ बारिश का कम होना नहीं है। बढ़ती गर्मी के कारण पानी तेजी से भाप बनकर उड़ रहा है। वहीं, खेती के लिए झील से पानी निकालने से भी पानी का स्तर नीचे गया है। कम बारिश से घटता गया झील का पानी... जानकारों के मुताबिक, कोरोनिया झील



में पानी की कमी 2015-16 के बारिश वाले मौसम के बाद ज्यादा बढ़ी। इसके बाद कई साल तक इलाके में बारिश कम हुई। नेशनल वेटलैंड सेंटर के वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट और क्लाइमेट चेंज विभाग के प्रमुख दिमित्रिस पापादिमोस ने

बताया कि पिछले कम से कम पांच साल में यहां हर साल औसतन करीब 400 मिलीमीटर बारिश हुई। यह पिछले कई दशकों की तुलना में करीब 150 मिलीमीटर कम है। कम बारिश का मतलब झील में कम पानी पहुंचना है।

इसके साथ ही इलाके में गर्मी भी बढ़ी है। ज्यादा तापमान के कारण झील का पानी तेजी से सूख रहा है। अनुमान के मुताबिक, हर साल करीब 100 से 150 मिलीमीटर पानी ज्यादा इवैपोरेशन की वजह से कम हो रहा है।

खेतों के लिए भी निकासी गया झील का पानी। झील में पानी कम होने के पीछे इंसानी इस्तेमाल भी एक वजह है। आसपास के किसान अपनी फसलों और मवेशियों के लिए झील के पानी का इस्तेमाल करते रहे हैं। जब बारिश कम हुई, तो खेतों के लिए पानी की जरूरत और बढ़ गई। ऐसे में झील से पानी निकालने का दबाव भी बढ़ता गया। पिछले महीने इलाके में एक किसान बड़े पंप से झील में बचे पानी को खेत तक पहुंचाता दिखाई दिया।

कांग्रेस की 3 मांगें नॉन-नेगोशिएबल खरगे का बीजेपी पर बड़ा हमला

नई दिल्ली/ए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्षमल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए तीन बड़ी और कड़े रुख वाली मांगें रखी हैं। सोशल मीडिया पर एक कड़ा संदेश जारी करते हुए खरगे ने स्पष्ट कर दिया कि चुनावी निष्पक्षता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बचाने के लिए कांग्रेस की तीन मुख्य मांगें पूरी तरह से 'नॉन-नेगोशिएबल' हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इन तीनों मुद्दों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता और 'इंडिया' गठबंधन के तमाम सहयोगी दल देशभर में सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस लड़ाई में जो भी नागरिक समाज के प्रतिनिधि और युवा संगठन देश के अलग-अलग हिस्सों में संपर्क कर रहे हैं, कांग्रेस पार्टी उनका पूरी मजबूती से साथ देगी। इससे पहले कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जलर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा महिला पत्रकारों



महिला पत्रकारों के उत्पीड़न पर केंद्र को घेरा

दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों के साथ हुए दुर्व्यवहार और उत्पीड़न पर गहरा दुःख जताते हुए खरगे ने इसे "बेहद निंदनीय" करार दिया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, "तानाशाह बहुत घबराया हुआ है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए सरकार किसी नए पैंतरे या अध्याय के साथ आ सकती है, इसके लिए सभी को तैयार रहना चाहिए।"

के कथित यौन उत्पीड़न पर उन्होंने संज्ञान क्यों नहीं लिया? विपक्षी पार्टी ने कहा कि शाह को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज हो और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

लखीमपुर हिंसा : सुप्रीम कोर्ट ने जांच तेज करने हाईकोर्ट को दिए आदेश

नई दिल्ली/ए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा कि वे 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के पीठसीन अधिकारी के खिलाफ लगे आरोपों पर तेजी से कार्रवाई करें।

इन आरोपों में कहा गया है कि अधिकारी ने कई मामले खुद के पास ट्रांसफर कर लिए और आरोपियों को बरी कर दिया। भारत के चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बाबाजी और वी. मोहना की बेंच ने उत्तर प्रदेश सरकार से यह भी कहा कि वह इस चर्चित मामले में दायल चलाते के लिए जल्द से जल्द एक नया पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त करें। बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा था कि वे मामले की जांच करें और सुधारात्मक कदम उठाने के बाद सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट सौंपें।

22 सितंबर को, सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ितों की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण की दलीलों पर ध्यान दिया था।



'प्रशासनिक समिति बनाई जानी चाहिए'

सोमवार को, बेंच ने हाई कोर्ट रजिस्ट्री की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट राकेश द्विवेदी की दलीलों पर ध्यान दिया। द्विवेदी ने कहा था कि जज के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक प्रशासनिक समिति बनाई जानी चाहिए। बेंच ने कहा, 'हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को 22 सितंबर, 2026 के हमारे आदेश के पैरा तीन के अनुसार उचित कार्रवाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था, 'हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार (सतकर्ता) एक सीलबंद लिफाफे में इस कोर्ट को एक रिपोर्ट भेजेंगे, जिसमें उस कार्रवाई का जिक्र होगा जो हाई कोर्ट के माननीय चीफ जस्टिस द्वारा की जा सकती है।'

भूषण ने कहा था कि 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के पीठसीन अधिकारी का व्यवहार आपत्तिजनक था, क्योंकि उन्होंने

कई आपराधिक मामले खुद के पास ट्रांसफर कर लिए थे और आरोपियों को बरी कर दिया था। आरोपी आशीष मिश्रा की

बिहार दारोगा भर्ती को लेकर पटना में छात्रों का प्रदर्शन, बैरिकेडिंग को तोड़कर आगे बढ़े अभ्यर्थी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में दारोगा भर्ती परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश एक बार फिर सड़क पर नजर आया। 1799 पदों के लिए आयोजित दारोगा भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने गांधी मैदान के पास प्रदर्शन किया। पटना में 1799 पदों वाली दारोगा भर्ती की मेंस परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अभ्यर्थी आज सड़क पर उतरे हैं। 10,789 सफल अभ्यर्थियों ने गांधी मैदान से लोक सेवक आवास तक प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। पटना के डाक बंगला चौगहे पर प्रदर्शनकारी छत्र पहुंचे और जेपी गोलंबर बैरिकेडिंग को तोड़कर आगे बढ़े।

क्या है अभ्यर्थियों का आरोप अभ्यर्थियों का कहना है कि वे पिछले सात दिनों से गर्दनीबाग धरना स्थल पर अपनी मांगों को लेकर बैठे हैं, लेकिन अब तक उनकी मदद नहीं सुनी गई है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी जेपी गोलंबर, डाकबंगला, तारामंडल, इनकम



टैक्स गोलंबर और बिहार म्यूजियम होते हुए मुख्यमंत्री आवास यानी लोक सेवक आवास की ओर जाएंगे। मेंस में सफल होने के बाद अभ्यर्थी पिछले कई महीनों से फिजिकल परीक्षा की तैयारी कर रहे थे।अब अचानक परीक्षा रद्द होने से पूरी भर्ती प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों के सामने असमंजस की स्थिति बन गई है। अभ्यर्थियों की सबसे बड़ी मांग 1799 पदों की भर्ती की मेंस परीक्षा रद्द करने का नोटिस वापस लेने की है। उनका कहना है कि पीटी परीक्षा के बाद उन्होंने मेंस की तैयारी की

और परीक्षा दी। बता दें कि बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग ने 23 सितंबर 2026 को 1799 पदों वाली दारोगा भर्ती की मुख्य लिखित परीक्षा रद्द करने की घोषणा कर दी। परीक्षा 27 मई को दो पालियों में आयोजित हुई थी। हालांकि आयोग ने परीक्षा रद्द करने के विस्तर कारण का उल्लेख नहीं किया और नई परीक्षा तारीख का ऐलान भी अभी नहीं किया गया है। इस फैसले के बाद अब अभ्यर्थियों की नजर नई परीक्षा तारीख और आगे की भर्ती प्रक्रिया पर है।

चेक बाउंस मामले : एससी ने लगाई राजपाल को फटकार

मुंबई। एक्टर राजपाल यादव 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले को लेकर काफ़ी वक्त से चर्चा में हैं। 15 सितंबर को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए अभिनेता को जेल से छूट दी थी और उन्हें 5 करोड़ रुपये जमा करने का आदेश दिया था। हालांकि आज यानी 5 अक्टूबर को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि राजपाल ने निर्देशों का पालन नहीं किया। अब कोर्ट ने जमकर पटकार लगाई है और कड़ा आदेश दिया है। चेक बाउंस मामले में कुल 7.5 करोड़ रुपये की रकम शामिल है। सुनवाई के दौरान कोर्ट के सामने 50 लाख रुपये के डिमांड ड्राफ्ट की फोटोकॉपी भी पेश की गई।

पीएम मोदी ने एशियाई खेल 2026 में भारतीय दल के शानदार प्रदर्शन की सराहना की

नई दिल्ली/ए। एशियाई खेल 2026 के समापन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दल के प्रत्येक सदस्य की सराहना की, जिन्होंने दृढ़ संकल्प, जुनून और उल्लेखनीय खेल भावना के साथ देश का प्रतिनिधित्व किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सभी पदक विजेताओं को बधाई दी, जिनके शानदार प्रदर्शन ने देश को अपार खुशी दी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में ये खेल और भी बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रेरणा देंगे तथा जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "एशियाई खेल 2026 के समापन के अवसर पर मैं भारतीय दल के हर सदस्य को बधाई देता हूं, जिन्होंने दृढ़ संकल्प, जुनून और उल्लेखनीय खेल भावना के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। हमारे सभी पदक



विजेताओं को बधाई, जिनके शानदार प्रदर्शन ने देश को अपार खुशी दी है। आशा है कि आने वाले वर्षों में ये खेल और भी बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रेरणा देंगे। साथ ही, ये जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत बनाने में भी योगदान देंगे। भारत ने आइची-नागोया खेलों में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदकों सहित 85 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जो एशियाई खेलों के इतिहास में देश का दूसरा सबसे बड़ा

पदक संग्रह है। जापान में भारत के अभियान में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां और अलग-अलग खेलों में सफलतापूर्वक खिताब बचाए रखने की घटनाएं खास रहीं। पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने अपने एशियन गेम्स के खिताब बरकरार रखे, वहीं दोनों कबड्डी टीमों ने भी स्वर्ण पदक जीते। पुरुष हॉकी टीम ने मलेशिया पर 5-1 से जीत हासिल करके अपने खिताब की सफलतापूर्वक रक्षा की।

एक्सिस बैंक ने भारत में अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों के लिए पेश की एप्पल पे की सुविधा

रायपुर। भारत में निजी क्षेत्रके सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने आज मास्टरकार्ड और वीजा नेटवर्क पर अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों के लिए एप्पल पे पेश किया है। यह सुविधा मुहैया कराने वाले वह पहला भारतीय बैंक बन गया है। यह लॉन्च बैंक की डिजिटल भुगतान यात्रा के लिहाज से उल्लेखनीय कदम है, जिसमें एप्पल पेके आसान, सुरक्षित और निजता बनाए रखने वाले भुगतान अनुभव के साथ बैंक के क्रेडिट कार्ड फ्रैंचाइजी और डिजिटल क्षमताओं का इस्तेमाल किया गया है। ग्राहक आगामी कुछ सप्ताह में, अपने आईफोन - जिससे उन्हें आई पेडके जरिये स्टोर, इन-ऐप और ऑनलाइन मर्चेट के पास आसानी से भुगतान कर सकेंगे - जल्द ही मैकके लिए भी समर्थन मिलेगा - जिससे उन्हें हस्तांतरण करने के लिहाज से अधिक विकल्प, सुविधा और लचीलापन हासिल होगा। एक्सिस बैंक के मास्टरकार्ड और वीजा क्रेडिट कार्ड ग्राहक, अपने कार्ड को एक्सिस बैंक के मोबाइल बैंकिंग ऐप या सीधे एप्पल



वॉलेट के जरिए एप्पल वॉलेट में जोड़ सकते हैं। ग्राहकअपने एप्पल डिवाइस में कार्ड लिंक करते ही एप्पल पेका इस्तेमाल शुरू कर सकते हैं। ग्राहकों को एक्सिस बैंक कार्ड से मिलने वाले सभी रिबॉर्ड और लाभ मिलते रहेंगे। यह लॉन्च से एक्सिस बैंक की भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार भुगतान परितंत्र केनिर्माण की महत्वाकांक्षा का विस्तार हुआ है। ग्राहकों अधिक सेअधिक मोबाइल आधारित, संपर्क रहितऔर टेकनाइड्ड भुगतान पसंद कर रहे हैं, ऐसे में एप्पल पे के आने से बैंक के डिजिटल भुगतान समाधानों का पोर्टफोलियो बढ़ेगा और ग्राहकों के हस्तांतरण के तरीके भी बढ़ेंगे। मास्टरकार्ड और वीजा नेटवर्क पर समर्थित यह सुविधा, ग्राहकों के लिए काम के और टेक्नोलॉजी आधारित नवोन्मेष लाने और अलग तरह के भुगतान विकल्प प्रदान करने के प्रति एक्सिस बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

डिजिटल हस्तांतरण केऊन्तत होते जाने के साथ-साथ, सुरक्षा का एक्सिस बैंक की भुगतान रणनीति में महत्वपूर्ण स्थान है। सुरक्षा और निजता पर एप्पल पे केद्विहो जरा ग्राहक एप्पल पेके साथ क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। तो असली कार्ड नंबर डिवाइस या एप्पलसर्वर पर स्टोर नहीं होते हैं, और न ही एप्पल उन्हें मर्चेट के साथ शेयर करता है। इसके बजाय, एक विशेष डिवाइस अकाउंट नंबर दिया जाता है, जिसे एंक्रिप्ट कर 'सिक्वेर एलिमेंट' में सुरक्षित रूप से स्टोर किया जाता है। यह एक इंस्ट्री-स्टैंडर्ड, सर्टिफाइड चिप है जिसे डिवाइस पर भुगतान की जानकारी सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया है। एक्सिस बैंक के एमडी रॉड ईशॉओ, अभिताप चौधरी ने इस महत्वपूर्ण लॉन्च पर अपनी टिप्पणी मेंकहा, 'हम भुगतान के क्षेत्र में उल्लेखनीय स्थिति में हैं, जहां टेक्नोलॉजी, स्मार्ट सुरक्षा और ग्राहकों की बदलती उम्मीदोंकेमद्देनजर लोगों के हस्तांतरण के तरीकों में बदलाव आ रहा है। एक्सिस बैंक में, हमारी कोशिश है कि हम ऐसे भुगतान अनुभव तैयारकर इस बदलाव की प्रक्रिया में अग्रणी रहें जो आधुनिक, परसेसमेंट और हमारे ग्राहकों के लिए प्रासंगिक हों।

साइबेरियाई लैब में बड़ा हादसा, टेस्ट ट्यूब टूटने से रूसी रिसर्चर की मौत

नई दिल्ली/ए। रूस के साइबेरिया स्थित इरकुत्स्क क्षेत्र में एक शोध प्रयोगशाला में हुए हादसे के बाद हड़कंप मच गया है। इरकुत्स्क एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की 28 वर्षीय महिला लैब तकनीशियन दार्या शिपिलोवा की संदिग्ध निमोनिक प्लेग के कारण मौत हो गई है। इस घटना के बाद रूसी अधिकारियों ने शेलेखोव जिला अस्पताल को क्वारंटीन कर दिया है और महिला के संपर्क में आए लगभग 197 लोगों को चिकित्सा निगरानी और आइसोलेशन में रखा है। प्लेग Yersinia pestis नाम के बैक्टीरिया से फैलता है। आम तौर पर प्लेग पिप्सू के काटने से फैलता है, लेकिन निमोनिक प्लेग फेफड़ों पर असर डालता है और यह हवा की बूंदों के जरिए एक इंसान से दूसरे इंसान में बहुत तेजी से फैल सकता है। यदि समय पर एंटीबायोटिक न दिए जाएं, तो यह जानलेवा साबित होता है। संक्रमित शोधकर्ता के संपर्क में आए 197 लोगों को आइसोलेशन और अस्पताल के वार्डों



घटना कैसे हुई

घटना कैसे हुई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नमूने एकत्र करते समय दार्या शिपिलोवा के हाथ से जीवित बैक्टीरिया वाली एक कांच की टेस्ट ट्यूब गलती से छूटकर टूट गई थी। हादसे के बाद शिपिलोवा की तबीयत तेजी से बिगड़ी और उन्हें गंभीर निमोनिया के लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। वेंटिलेटर पर रखे जाने के बावजूद 2 अक्टूबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

में निगरानी में रखा गया है। इरकुत्स्क के गवर्नर इगोर कोबजेव के अनुसार, फिलाहिलिसी भी

संपर्क में आए व्यक्ति में लक्षण नहीं दिखे हैं और उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

दिशा समिति की पांच घंटे चली बैठक

जबलपुर में विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयसीमा पर सांसद दुबे का जोर

नवप्रदेश/जबलपुर। जिला समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सांसद आशीष दुबे ने जिले में चल रहे विकास कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करने के साथ गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं

का लाभ किसी पात्र व्यक्ति से छूटना नहीं चाहिए। इसके लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में करीब पांच घंटे चली। बैठक में पिछली बैठक के निर्णयों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा के बाद विभिन्न विभागों की योजनाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। ग्रामीण विकास, कृषि, जल संसाधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, बिजली, आवास, पर्यटन, खाद्य और नवीकरणीय ऊर्जा सहित कई विभागों के अधिकारियों ने जानकारी दी। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में लगभग



पांच घंटे चली इस बैठक में केन्द्र शासन की विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों और विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्न, विधायक अजय बिस्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील

राघवेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. आयुष जाखड़, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, वनमंडलाधिकारी पुनीत सोनकर, अपर कलेक्टर रविशंकर राय एवं शैलेन्द्र सिंह तथा सभी विभागों के जिला अधिकारी भी इस बैठक में मौजूद रहे।

पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं पर फोकस: जल जीवन मिशन की समीक्षा में सांसद ने पाइपलाइन विछाने के बाद सड़कों की मरम्मत निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार कराने को कहा। सभी आवश्यक काम पूरे होने के बाद ही पेयजल योजनाओं को संबंधित निकाय को सौंपने के निर्देश

दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अस्पतालों में चिकित्सक और जरूरी स्टाफ की उपलब्धता, समय पर एम्बुलेंस तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन पर जोर दिया गया। जिला अस्पताल में रात के समय एक्स-रे और मेडिको-लीगल मामलों से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध रखने के निर्देश भी दिए गए।

यातायात व्यवस्था में बदलाव के सुझाव: यातायात व्यवस्था की समीक्षा में दुर्घटना संभावित स्थानों और प्रमुख चौराहों पर सिग्नल, रिफ्लेक्टर सहित सुझा इंतजाम मजबूत करने को कहा गया। मातृवीय चौक से कोतवाली और पांडे चौक से अंधेरेदेव तक वन-वे व्यवस्था की सभाबनाओं पर भी

चर्चा हुई। व्यापारियों से बातचीत के बाद व्यापक ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए। सदस्यों ने ई-रिक्शा के रूट और कलर कोडिंग तय करने, मुकादमाज के थोक किराना बाजार को अन्य स्थान पर ले जाने तथा बल्देवबाग के ट्रांसपोर्ट कारोबार को ट्रांसपोर्ट नगर में स्थानांतरित करने के सुझाव दिए।

कृषि, बिजली और पर्यटन कार्यों की भी समीक्षा: सांसद ने राष्ट्रीय राजमार्गों की सड़कों का रखरखाव और त्योहारों से पहले आवश्यक सुधार कार्य तेजी से कराने को कहा। बिजली विभाग से नए उपकेंद्रों, 33 केवी लाइनों और ग्रामीण विद्युत अधोसंरचना की प्रगति जानी गई।

न्यूज गैलरी

निशुल्क नेत्र शिविर



जबलपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सिहोरा विधानसभा के कुंडेधर धाम, कुंडम स्थित विधायक कार्यालय परिसर में नि:शुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, जानकीकुंड चित्रकूट द्वारा आयोजित किया गया।

धनुष यज्ञ रामलीला में आज

जबलपुर। धनुष यज्ञ रामलीला समिति, सदर बाजार के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव के तहत 5 अक्टूबर को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। कार्यक्रम में मुकुट पूजन, गौरी-गणेश पूजन के साथ नर्मदा, गंगा, कावेरी और सरयू सहित पवित्र नदियों के जल से पूजन किया गया। इसके बाद देवताओं का पूजन, सुंदरकांड, महाआरती, भूमि पूजन और कन्या पूजन हुआ। रामलीला में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, माता सीता और हनुमान जी की भूमिका निभाने वाले पात्रों का विधिवत पूजन एवं प्राण-प्रतिष्ठा की गई। हवन और कीर्तन के साथ दिन के धार्मिक कार्यक्रमों का समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य यजमान अभिषेक चौकसे, प्रकाश सोनी, दिलीप रजक, मोहित अग्निहोत्री एवं प्रवण अवस्थी ने पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया। पात्रों का पूजन सीताराम कुर्चीसिया, मधुर तिवारी, संदीप चौकसे, डॉ. शंकर पांडे एवं धनंजय बाजपेयी द्वारा किया गया।रामलीला समिति के अनुसार 6 अक्टूबर को मुकुट पूजन जुलूस एवं राम जन्मोत्सव का आयोजन होगा। जुलूस डेल-धमाकों, नृत्य और पुष्पवर्षा के बीच नगर के विभिन्न मार्गों एवं गलियों से होकर निकलेगा और पुनः रामलीला मैदान पहुंचेगा। इसके बाद रामलीला मैदान में विधिवत राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

शहपुरा तहसील में पदस्थ बाबू ने की आत्महत्या-घर में फंदे पर मिला शव



जबलपुर। जिले की शहपुरा तहसील में पदस्थ बाबू पुरुषोत्तम परस्ते की आत्महत्या की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सोमवार को उनका शव लोकसेवा केंद्र के पास स्थित उनके घर के एक कमरे में फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। शहपुरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरुषोत्तम परस्ते शहपुरा तहसील कार्यालय में बाबू के पद पर पदस्थ थे। घटना की सूचना मिलने पर तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों तथा संबंधित लोगों से पूछताछ के बाद घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

गोरखपुर में 71वां श्री दुर्गा महोत्सव श्रद्धा और भव्यता से मनाया जायेगा

जबलपुर। शारदीय नवरात्र के अवसर पर श्री शारदा नवयुवक मंडल, गोरखपुर द्वारा 71वां श्री दुर्गा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ मनाने को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महोत्सव को शांतिपूर्ण और गरिमायु तरीके से आयोजित करने पर चर्चा की। बैठक में समिति के पदाधिकारी तजेंद्र सिंह, सुनील कुमार पटेल, उमेश पटेल, उमाशंकर सेन, बबलू सोनकर, सजय पटेल 'राजू', गुलाब गुप्ता एवं नीरज परमार ने विचार व्यक्त किए। पदाधिकारियों ने मंडल के 71 वर्ष पूर्ण होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन संस्कारधानी की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बैठक में अश्विनी पटेल, नंदकिशोर सेन, विवेक पटेल, सुनील विश्वकर्मा, उमकुं पुनेंद्र सिंह, शिवा सेन, सार्थक पटेल, विशाल सेन, सुनील श्रीवास्तव, नवराज सिंह, निखिल अंबानी, सिद्धांत पटेल, विवेक गुप्ता, अमन लोधी, दिलीप सेन, आरु श्रीवास, किशन चौधरी, मनीष सैनी, आदित्य लोधी, अजय गुप्ता, सुरेश चौरसिया सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जबलपुर का हक छीनने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन के विरोध में संयुक्त मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश/जबलपुर।

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कथित विखंडन और विश्वविद्यालय से जुड़े पाठ्यक्रमों को क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों से जोड़ने के विरोध में सोमवार को मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय बचाओ संयुक्त मोर्चा ने विश्वविद्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। मोर्चा ने आरोप लगाया कि जबलपुर की पहचान बने मेडिकल विश्वविद्यालय को कमजोर कर उसके अधिकारों को उज्जैन स्थानांतरित करने का प्रयास किया जा रहा है।

मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि मेडिकल विश्वविद्यालय की वजह से प्रदेशभर से बड़ी संख्या में विद्यार्थी और उनके अभिभावक जबलपुर आते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार को भी बढ़ावा मिलता है। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय के स्वरूप में बदलाव से जबलपुर के शिक्षा क्षेत्र और



स्थानीय रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना को करीब 15 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन बड़ी संख्या में स्थायी अधिकारियों और कर्मचारियों के पद रिक्त हैं। इसका असर विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम और अन्य शैक्षणिक कार्यों में देरी के रूप में सामने आता है। मोर्चा ने विश्वविद्यालय में रिक्त पदों को भरने और व्यवस्थाओं को मजबूत करने की मांग भी उठाई। मोर्चा के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा मेडिकल अस्पताल में करोड़ों रुपये के कार्य कराए गए हैं, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि विश्वविद्यालय का पूर्व स्वरूप बहाल किया जाए तथा नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों को क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों से हटाकर पुनः आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से संबद्ध किया जाए।

मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय के विखंडन की प्रक्रिया नहीं रोकी गई और उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके साथ ही भूख हड़ताल शुरू करने की चेतावनी भी दी गई। प्रदर्शन में मध्यप्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश सचिव सुमन कुमार जैन, कांग्रेस सेवादल के प्रदेश संगठन मंत्री अशोक यादव, नगरिक उपभोक्ता मंच के प्रदेश संयोजक मनीष शर्मा, एनएसओ छात्र संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष गोपाल पाराशर, अभिभावक संगठन के अध्यक्ष प्रफुल्ल सक्सेना, पृथक महाकौशल राज्य मोर्चा एवं झुग्गी-झोपड़ी जबलपुर अध्यक्ष श्याम सोलंकी, युवा प्रकोष्ठ सचिव अंकित गोस्वामी, जनकल्याण संघ के उपाध्यक्ष मयंक राज, एनएसओ छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

श्वष्टरुकी इंदिरा नगर कॉलोनी में बड़ा हादसा, 50-60 CISH परिवारों की सुरक्षा पर सवाल; आखिर जिम्मेदारी किसकी

15 दिन में दूसरी बार जर्जर मकान का हिस्सा गिरा, CISH जवान की पत्नी गंभीर घायल

नव प्रदेश इन्द्रपाल यादव

राजनगर। अनूपपुर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत श्वष्टरुके देव क्षेत्र की इंदिरा नगर कॉलोनी में सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे एक गंभीर हादसा हो गया। सर्वे ऑफ हो चुकी जर्जर कॉलोनी के [1रेंड्र क्रमांक 108 में बर्तन धो रही महिला के ऊपर अचानक आंगन के ऊपर बना छज्जे/छत का हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

घायल महिला के पति कमलेश राम मरकाम CISH के जवान हैं। बताया जा रहा है कि जिस क्वार्टर में यह हादसा हुआ, वह SECL द्वारा ही CISH जवान कमलेश राम मरकाम को आवंटित किया गया है। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल महिला को मलबे से बाहर निकाला और उपचार के लिए मैनड्राइड सेंट्रल हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें अंबिकापुर रेफर कर दिया।

15 दिन पहले भी गिर चुका था मकान का हिस्सा

इस घटना को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि करीब 15 दिन पहले इसी मकान के पीछे स्थित एक अन्य मकान पर भी इसी तरह छत/निर्माण का हिस्सा गिर चुका था। यानी कॉलोनी के जर्जर भवनों से उत्पन्न खतरे का संकेत पहले ही मिल चुका था। इसके बावजूद अब दोबारा इसी तरह की घटना सामने आने के बाद श्वष्टरु प्रबंधन की ओर से जर्जर भवनों की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे उपायों पर सवाल उठ



रहे हैं। SECL ने केंद्रीय सरकार से CISH जवान मांगे, लेकिन उनके परिवारों की सुरक्षा कौन करेगा इंदिरा नगर कॉलोनी का यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां CISH के लगभग 50 से 60 परिवारों के निवासरत होने की बात सामने आ रही है। SECL द्वारा अपनी सुरक्षा व्यवस्था के लिए केंद्र सरकार से CISH जवानों की सेवाएं ली जाती हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि जब SECL के आवंटित आवास में CISH जवान का परिवार ही जर्जर भवन की चपेट में आकर घायल हो जाए, तो इन जवानों और उनके परिवारों की आवासीय सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी जो जवान SECL की सुरक्षा व्यवस्था में अपनी इयूटी निभा रहे हैं, उनके परिवारों को भी सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना और जर्जर भवनों की समय पर मरम्मत अथवा वैकल्पिक व्यवस्था करना संबंधित प्रबंधन की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा सकता है।

सर्वे ऑफ कॉलोनी में अब भी करीब 50 परिवारों की ज़िंदगी दांव पर

इंदिरा नगर कॉलोनी को सर्वे ऑफ किया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद यहां आज भी करीब 50 परिवारों के रहने की बात सामने आ रही है। इनमें CISH के परिवार भी शामिल हैं। कॉलोनी के कई भवनों की स्थिति बेहद खराब बताई जा रही है। कई भवनों की छतों और दीवारों के ऊपर तक पेड़-पौधे उग आए हैं। जगह-जगह भवनों के जर्जर होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इन भवनों का समय-समय पर तकनीकी और सुरक्षा निरीक्षण किया जा रहा है 15 दिन में दो घटनाएं फिर भी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल एक ही क्षेत्र में करीब 15 दिनों के अंतराल में दो बार भवन का हिस्सा गिरने की घटना सामने आना रहवासियों के लिए चिंता का विषय है। आज महिला के ऊपर छज्जा गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। यदि समय रहते जर्जर भवनों की पहचान कर सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में कोई बड़ा

हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

SECL प्रबंधन से उठ रहे सीधे सवाल

- क्या इंदिरा नगर कॉलोनी के सभी जर्जर भवनों का तकनीकी निरीक्षण कराया गया है
- सर्वे ऑफ होने के बावजूद परिवारों को इन भवनों में रहने की अनुमति क्यों है?
- करीब 15 दिन पहले हुई घटना के बाद क्या सुरक्षा जांच कराई गई?
- CISH के जवानों के परिवारों की आवासीय सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा?
- यदि भवन रहने योग्य नहीं हैं तो प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास की व्यवस्था कब होगी?

आज का हादसा SECL प्रबंधन के लिए एक गंभीर चेतावनी है। जरूरत इस बात की है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय इंदिरा नगर कॉलोनी के सभी जर्जर भवनों की तत्काल जांच कराकर वहां रह रहे परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

